प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 69/2018)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 27 जून, 2018

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जनवरी, 2018 से 31 मार्च, 2018 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जनवरी से मार्च, 2018

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत में 1,190.67 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत में 1,206.22 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.31 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई. ओ.वाई) आधार पर 0.97 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 31 दिसंबर, 2017 को समग्र दूरसंचार घनत्व 91.90 से बढ़कर 31 मार्च, 2018 को 92.84 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

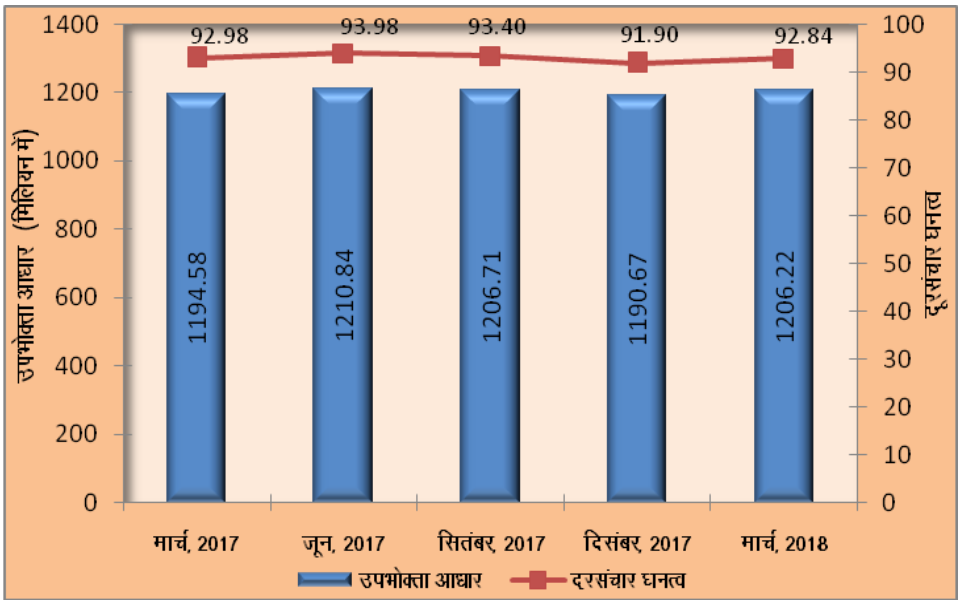

2. दिसंबर, 2017 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 688.25 मिलियन से घटकर मार्च, 2018 के अंत में 681.61 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 168.29 से घटकर 165.90 हो गया। हालांकि इसी दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 502.42 मिलियन से बढ़कर 524.61 मिलियन हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 56.66 से बढ़कर 59.05 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2017 के अंत तक 42.20 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 43.49 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

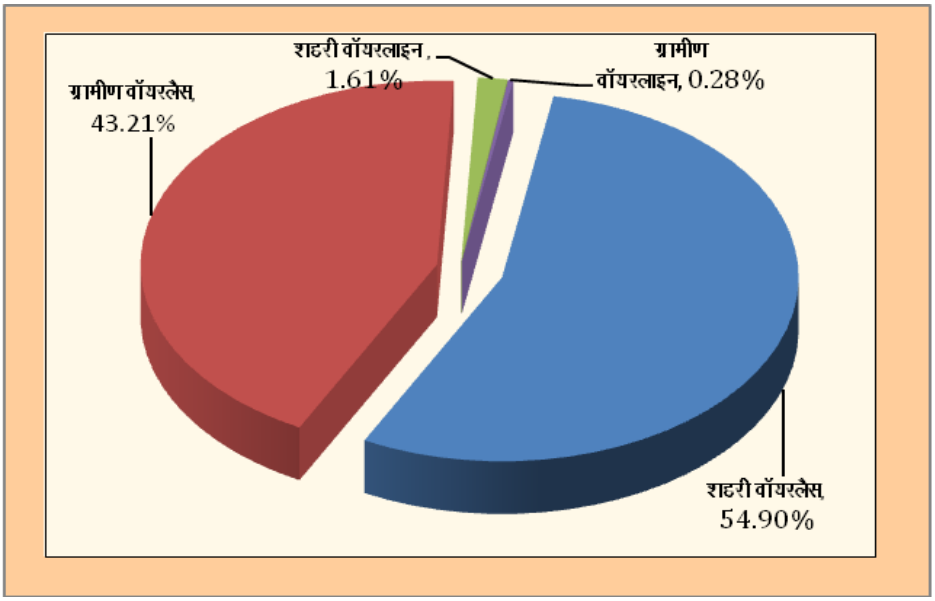

4. इस तिमाही के दौरान 15.97 मिलियन वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ ही दिसंबर, 2017 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम एलटीई सहित+सीडीएमए) उपभोक्ताओं की संख्या 1,167.44 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत तक 1,183.41 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.37 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। वार्षिक आधार पर मार्च, 2018 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में 1.33 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी दिसंबर, 2017 के अंत में 90.11 से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत में 91.09 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत में 23.23 मिलियन से और घटकर मार्च, 2018 के अंत में 22.81 मिलियन रह गया जिसमें 1.82 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। मार्च, 2018 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 6.52 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व भी दिसंबर, 2017 के अंत में 1.79 से घटकर मार्च, 2018 के अंत में 1.76 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसंबर, 2017 के अंत में 445.96 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत में 493.96 मिलियन हो गई जिसमें 10.76 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। 493.96 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.24 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 472.72 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

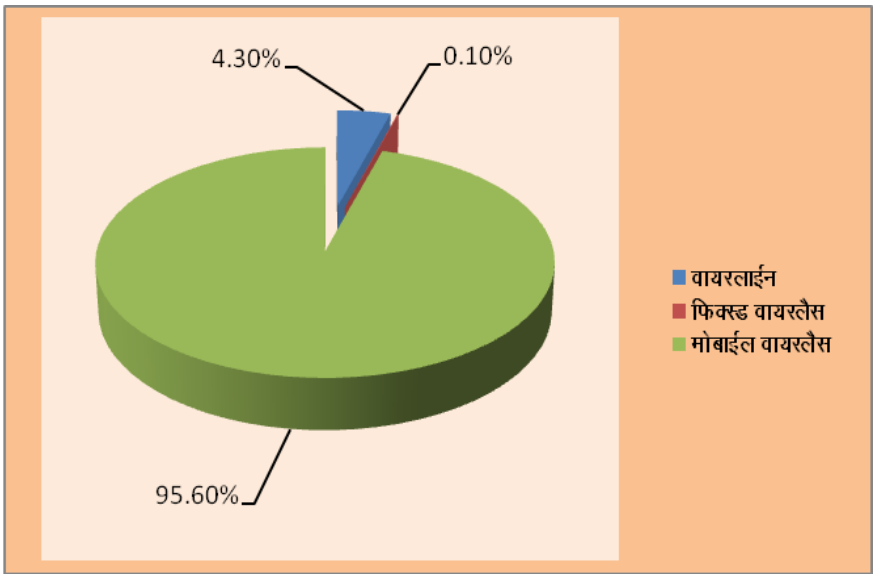

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत में 362.87 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2018 के अंत में 412.60 मिलियन हो गई जिसमें 13.71 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत में 83.09 मिलियन से घटकर मार्च, 2018 के अंत में 81.35 मिलियन रही जिसमें 2.09 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 4.22 प्रतिशत तिमाही ह्रास दर के साथ दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के 79 रुपए से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 76 रुपए हो गया। जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 8.03 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 67 रुपए से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 62 रुपए हो गया, जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू

दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 348 रुपए से बढ़कर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 360 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 495 से बढ़कर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 84 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 481 से बढ़कर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 575 हो गया, जबकि पोस्ट–पेड एमओयू दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 786 से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 776 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 28.54 प्रतिशत ह्रास दर के साथ दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 111 रुपए से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए 79 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 39.61 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 46.42 प्रतिशत की ह्रास दर्ज की गई अर्थात् दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 112 से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 61 हो गया। दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 73 से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 39 हो गया तथा अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 40 से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 22 हो गया।

17. मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 62,198 करोड़ रुपए तथा 35,697 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 1.82 प्रतिशत की वृद्धि तथा एजीआर में 7.37 प्रतिशत की कमी दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) ह्रास दर क्रमशः 1.76 प्रतिशत तथा 12.57 प्रतिशत दर्ज की गई।

19. मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 22,552 करोड़ रुपए से बढ़कर 26,501 करोड़ रुपए हो गया। मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 17.51 प्रतिशत तथा 17.87 प्रतिशत रही।

20. दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,104 करोड़ रुपए से घटकर मार्च, 2018 में 2,932 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 5.54 तथा 12.76 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 71.29 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर) तथा पास–थ्रू प्रभारों (एसयूसी) में क्रमशः 1.82 प्रतिशत एवं 17.51 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई जबकि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क तथा स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार में क्रमशः 7.37 प्रतिशत, 5.54 प्रतिशत तथा 8.79 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

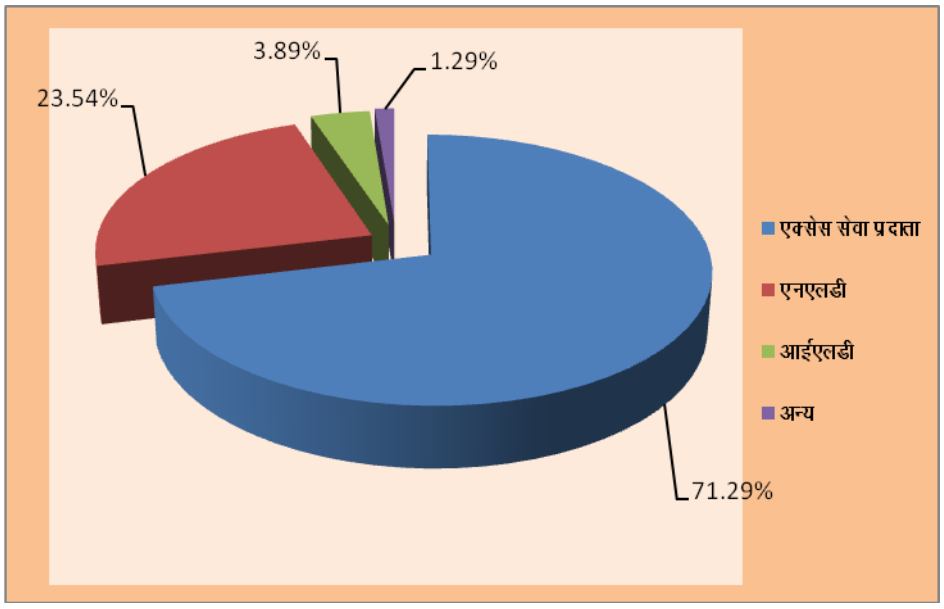

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 80.77 रुपए से घटकर मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में 71.62 रुपए हो गया।

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• बीएस संयोजित डाउनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (प्रतिशत) • डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस • टीसीएच, आरएबी तथा ई–आरएबी कंजेशन (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर स्थानीक वितरण पैमाना (90, 90) (प्रतिशत) • नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर कालिक वितरण पैमाना (97, 90) (प्रतिशत) • प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/समायोजन किये जाने की अवधि • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय	• 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• खामियां होने की घटना (प्रति माह प्रति सैकड़ा उपभोक्ताओं में खामियों की संख्या) • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को शत प्रतिशत समाप्त/बंद किया जाना।	• ग्राहक की सहायता के लिए प्रत्युत्तर समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच

26. दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 875 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. 49 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 304 पे–चैनलों के मुकाबले 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार कुल 308 पे–चैनल थे। इन 308 पे–चैनलों में 213 एसडी पे–चैनल एवं 95 एचडी पे–चैनल शामिल है। इस तिमाही के दौरान पांच नये चैनल चालू हुए, एक चैनल को फ्री–टू–एयर चैनल से पे–चैनल में परिवर्तित किया गया तथा दो पे–चैनल को बंद कर दिया गया।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत तक 6 से घटकर 31 मार्च, 2018 के अंत तक 5 हो गई। इस तिमाही अवधि के दौरान विडियोकॉन डी2एच को डिस टीवी इंडिया लिमिटेड में समायोजित कर दिया गया। डीटीएच के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 67.53 मिलियन हो गया है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, 34 प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार दिनांक 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कार्यरत 326 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कुल 324 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं।

30. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2018 को देश में कुल 216 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियाँ

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,206.22 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.31 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	681.61 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	524.61 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.15 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.85 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	92.84
शहरी दूरसंचार घनत्व	165.90
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.05
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,183.41 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.37 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	662.18 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	521.23 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,179.12 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	4.29 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.26 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.74 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	91.09
शहरी दूरसंचार घनत्व	161.17
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.67
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	8,067,633 टेराबाईट
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	22.81 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.82 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	19.43 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.38 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	31.55 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	68.45 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.76
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.73
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.38
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	1,99,057
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	3,60,053

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	62,198 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.82 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	35,697 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-7-37 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	10.25 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	71-62 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	493.96 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	10.76 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	81.35 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	412.60 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.24 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	472.72 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	348.13 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	145.83 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	38.02
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	84.74
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	16.41
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	875
पे–टीवी चैनलों की संख्या	308
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	324
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	67.53 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	216
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	5
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	76 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	79 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	584 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	61 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	258 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम (एलटीई सहित) हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	2,447 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	173 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	2,437 एमबी
जीएसएम (एलटीई सहित) सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	14.94 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	198 रुपए